6. लिंग

लिंग द्वारा किसी वस्तु या प्राणी के पुरुष या स्त्री जाति के होने का पता चलता है। सजीव या निर्जीव सभी वस्तुओं का एक लिंग निर्धारित होता है।

शिक्षण-संकेत

- अध्यापक/अध्यापिका सर्वप्रथम पृष्ठ 28 पर दी गई पंक्तियों को पढ़कर बच्चों को लिंग से अवगत करवाएँ।
- तदुपरांत पाठ पृष्ठ 28 पर दिए गए चित्र में दोनों लड़कियों द्वारा खेली जा रही लिंग शब्दों वाली अंत्याक्षरी की पंक्तियाँ पढ़वाएँ।
- बताएँ, मोर-मोरनी, राजा-रानी, चूहा-चुहिया, नाना-नानी शब्दों से इनकी स्त्री तथा पुरुष जाति का बोध हो रहा है।
- समझाएँ, जिन शब्दों से पुरुष या स्त्री जाति की पहचान होती है, वह लिंग शब्द कहलाता है।
- लिंग के भेदों– पुल्लिग तथा स्त्रीलिंग के बारे में समझाएँ।
- शिक्षक/शिक्षिका पुल्लिग तथा स्त्रीलिंग शब्द बोलें तथा बच्चों से पूछें कि वे शब्द पुल्लिग हैं अथवा स्त्रीलिंग।
- लिंग भेद की परिभाषा याद करवाएँ।
- पाठ पृष्ठ 29 पर दिए पुल्लिग-स्त्रीलिंग शब्दों को बच्चों से पढ़वाएँ। कक्षा का कोई लड़का पुल्लिग शब्द बोले और किसी लड़की से स्त्रीलिंग शब्दों का उच्चारण करवाएँ।
- सुनिश्चित करें कि बच्चे पाठ में रुचि ले रहे हैं।
- बताएँ, जो चीज़ें निर्जीव या अप्राणीवाचक होती हैं, उनका भी स्त्रीलिंग-पुल्लिग होता है। जिसकी पहचान वाक्य प्रयोग द्वारा की जाती है। पृष्ठ 29 पर दिए उदाहरणों को पढ़ें– सूरज चमका, नदी बहती है आदि।
- पृष्ठ 30 पर दिए स्त्रीलिंग-पुल्लिग शब्दों को बच्चों से पढ़वाएँ।
- 'आपने सीखा' द्वारा पाठ की दोहराई करवाएँ।
- पाठ अभ्यास करवाने में यथोचित सहायता करें।